

Model question paper -2023-24

हिमाचल प्रदेश शिक्षा बोर्ड धर्मशाला जिला कांगडा (हि.प्र.)- 176213

HINDUSTANI MUSIC (VOCAL) 10+2

(Hindi and English Versions)

Papar :Theory

Time : 3 Hours

MM:30

- परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर दें ।
- Candidates are required to write their answers in their own words as far as possible.
- प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिया गए हैं ।
- Marks allotted to each question are indicated against it.

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

Note: Write answers to any five question.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं की परिभाषित करते हुए अर्थ स्पष्ट करें ।

(क) वर्ण (ख) ग्राम (ग) गमक (घ) अलंकार (ङ) ताल

3*2= (6)

Define any three of following:

(a) Varn (b) Graam (c) Gamak (d) Alankar (e) Taal

2. हिन्दोस्तानी संगीत के प्राचीन काल के इतिहास का वर्णन कीजिए ।

(6)

Describe the history of ancient period of Hindustani Music.

3. अपने पाठ्यक्रम के किसी राग का सम्पूर्ण परिचय देते हुए द्रुत-खयाल की स्वरलिपि लिखें ।

2+4=(6)

Write the notation of 'Drut -Khayal' in any Raag from your syllabus with complete introduction.

4. झपताल अथवा रूपक ताल का सम्पूर्ण शास्त्रीय परिचय ठाह तथा दुगुन सहित लिखें ।

(6)

Write the 'Thaah' and 'Dugun' of taal Rupak and Jhaptaal with complete taal description.

5. श्रीमती किशोरी अमोणकर अथवा पण्डित जसराज का जीवन-वृत्त लिखिए ।

(6)

Write the biography of Smt. Kishori Amonkar or Pt. Jasraj.

6. प्राचीन संगीत ग्रन्थ "संगीत-रत्नाकर" पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।

(6)

Write a short note on ancient musical treatise 'Sangeet- Ratnakar'.

7. उचित विकल्प चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति करें ।

6*1= (6)

(क) राग भैरव में रे तथा ...स्वर कोमल प्रयुक्त होते हैं ।

(१) ग (२) नि (३) ध (४) प

(ख) ताल झपताल..... मात्राओं का ताल है ।

(१) 10 (२) 16 (३) 12 (४) 14

(ग) पण्डित भीमसेन जोशी का सम्बन्धघराने से है ।

(१) लखनऊ (२) किराना (३) पटियाला (४) कौलकाता

(घ) रागों के समय सिद्धांत मेंस्वर को "अध्वदर्शक – स्वर" कहा जाता है ।

(१) मध्यम (२) षड्ज (३) धैवत (४) पंचम

(ङ) स्वरों के विशेष प्रकार के कम्पन कोकहते हैं ।

(१) तराना (२) खयाल (३) गमक (४) वर्ण

(च) संगीत पारिजात के रचियता हैं ।

(१) पं. शारंग देव (२) पं.भीमसेन जोशी (३) भरत मुनि (४) पं.अहोबल

Fill In the blanks by choosing the appropriate option.

- (a) Re and..... Swara are used 'Komal' in Raag Bhairav .
(१) Ga (२) Ni (३) Dh (४) Pa
- (b) Taal Japtaal is the rhythm of matra.
(१) 10 (२) 16 (३) 12 (४) 14
- (c) Pandit Bhimsen Joshi belongs to Gharana.
(१) Lucknow (२) Kirana (३) Patiyala (४) Kolkata
- (d) swara is called 'Adhavarshak-swara' in the time theory of Raag.
(१) Madhyam (२) Shadj (३) Dhaivat (४) Pancham
- (e) Special types of vibration of Swaras is called
(१) Tarana (२) Khayal (३) Gamak (४) Varan
- (f) The author of 'Sangeet Parijaat' is.....
(१) Pt. Sharang Dev (२) Pt. Bhimsen Joshi (३) Bharat Muni (४) Pt. Ahobal